धंन धंन कलियुग प्राणनाथ आए,साहेब आए
दुनिया को मुक्ति हैं देने वो आए
1-धर्म ग्रन्थ सब जिनको पुकारें,
खोज खोज के त्रैगुण हारे
सब कोई अपनी अपनी कहते
भेद मगर ये समझ न पाते
श्री प्राणनाथ अब आए समझाने

2- जीव आत्म का भेद बताया
दोनों को अलग करके दिखाया
सब खुद को आत्म हैं कहते
आत्म तो नहीं है इस जग में
संग आत्म को लेकर वो आए

3-भवसागर से पार हों कैसे
ये बतलाया मेरे साहेब ने
अनन्य प्रेम से पालव बांधो
वाणी पे इनकी ईमान ले आओ
हीरा जन्म ये यूं न गंवाओ

Nijanand App